अक्टूबर 2024

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

अखिलेश की ललकार

डरी तानाशाह सरकार

R.N.I. No. 68832/97

www.samajwadiparty.in

नेताजी अमर रहें

22 नवंबर 1939 - 10 अक्टूबर 2022

द्वितीय पुण्यतिथि पर

श्रद्धांजलि

समाजवादी बुलेटिन

अक्टूबर 2024
वर्ष 25 | संख्या 12

अंदर

धरती पुत्र के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प 06

प्रिय पाठकों,

आपको बधाई एवं हृदय तल से आभार। आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आप सभी के प्यार और उत्साहवर्धन की बदौलत यह संभव हो पाया। समाजवादी बुलेटिन के ढाई दशक के सफर में इसके नए कलेवर को आपने खूब सराहा। हम भरोसा दिलाते हैं कि वैचारिक स्तर पर आपको समृद्ध करने का हमारा प्रयास सतत जारी रहेगा। कृपया अपना स्नेह यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

16 कवर स्टोरी

अखिलेश की ललकार डरी तानाशाह सरकार

उपचुनाव: एनडीए को फिर हराएगा PDA 30

समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा होते ही अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में भाजपा को करारी शिकस्त देने के बाद अब अगले महीने प्रदेश में होने वाले 9 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा को फिर पटकनी देने के लिए सपा ने कमर कस ली है।

भाजपा राज में संविधान बाईपास 04

बेटियों की खेल प्रतिभा का अखिलेश ने बढ़ाया हौसला 42

भाजपा राज में संविधान बाईपास

उदय प्रताप सिंह

भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार ने संविधान को बाईपास करके एक रास्ता निकाल लिया है जिससे संविधान को बिना बदले ही अपनी मनमानी करते रहते हैं और उन पर उंगली भी नहीं उठती है।

30 सितंबर 2024 को हरियाणा में चुनाव प्रचार करते हुए उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी जी ने कहा कि 'राम की और रोम की संस्कृति में अंतर है। 500 वर्ष का इंतज़ार समाप्त हुआ। 22 जनवरी 2024 को पीएम मोदी के कार्यक्रमों से भगवान श्री रामलला अयोध्या धाम में विराजमान हो गए लेकिन घड़ियाली आंसू बहा रही कांग्रेस को इससे भी नफ़रत है। राम की संस्कृति से पला बढ़ा व्यक्ति श्री राम की मर्यादा का पालन करते हुए 500 वर्ष तक निरंतर लड़ता रहा। रोम की संस्कृत में पले-बढ़े बदनसीब एक्सीडेंटल हिंदू इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।'

जबकि जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 123 (3ए) कहती है कि किसी अभ्यर्थी या उसके एजेंट, उसके निर्वाचन एजेंट की सहमति से या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उसे अभ्यर्थी के निर्वाचन की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए भारत के नागरिकों के विभिन्न वर्गों के बीच धर्म, मूल वंश, जाति, समुदाय या भाषा के आधार पर शत्रुता, घृणा की भावनाओं को बढ़ावा देने का प्रयास करना या धर्म के नाम पर वोट मांगना भ्रष्ट आचरण है।

सर्वोच्च न्यायालय का 1987 का फैसला

इस ऐतिहासिक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय की 7 सदस्यीय खंडपीठ ने निर्णय दिया है कि जो नेता धर्म जाति या भाषा के आधार पर वोट हासिल करने का प्रयास करें उन्हें चुनाव लड़ने के लिए तुरंत अयोग्य घोषित कर दिया जाए। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि मनुष्य और ईश्वर के बीच संबंध किंचित एक व्यक्तिगत राय है और इस तरह की गतिविधियों को प्रति राज्य की कोई निष्ठा नहीं होनी चाहिए।

चुनावी प्रक्रिया एक धर्मनिरपेक्ष गतिविधि है। अतः धर्म की इसमें कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। राज्य के साथ धर्म का मिश्रण संवैधानिक रूप से उचित नहीं है लेकिन जैसा कि मैंने ऊपर स्पष्ट किया है कि भाजपा सरकार ने तमाम संवैधानिक मर्यादाएं, तमाम लोकतांत्रिक परंपराएं हाशिए पर डाल रखी हैं।

उसी प्रयास में उन्होंने मीडिया सहित भारत के चुनाव आयोग को भी इतना कमज़ोर कर

फोटो स्रोत : गूगल

दिया है कि वह हिम्मत करके इसका संज्ञान लेकर योगी जी को एक नोटिस तक नहीं दे सकता। चुनाव आयोग की ऐसी कई कमजोरियां पहले भी सामने आ चुकी हैं। चुनाव आयोग यह देखकर सिर्फ मक्खियां निगलता रहा है। आज चुनाव आयोग कहीं वैसा होता जैसा कि टीएन शेषन के ज़माने में था तो आज उस प्रत्याशी को अयोग्य घोषित कर दिया जाता जिसके पक्ष में योगी जी ने यह घोर आपत्तिजनक भाषण दिया।

इस भाषण में माननीय योगी जी ने चुनाव में वोट प्राप्त करने के लिए राम के पवित्र नाम का दुरुपयोग किया। धर्म का दुरुपयोग किया है, भाषा का किया है, मूल वंश पर प्रहार किया है। जाति का प्रयोग किया है, संस्कृतियों का किया है अर्थात जनप्रतिनिधि अधिनियम की धारा 123 का और 7 सदस्य सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ द्वारा लगाई गई सारी प्रतिबंधित बातों का उल्लंघन किया। योगी जी ने बिना नाम लिए सोनिया गांधी और राहुल को एक्सीडेंटल हिंदू कहाजो अत्यंत अपमानजनक है। वैसे भी योगी जी अपनी भाषा के निम्न स्तर के लिए जाने जाते हैं लेकिन इस भाषण में उन्होंने अपना पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह संविधान का उल्लंघन है तो है ही साथ ही लोकतंत्र की परंपराओं का भी उल्लंघन है। मुख्यमंत्री के पद की मर्यादा की अवमानना भी है।

ऐसी घटनाओं पर सर्वोच्च न्यायालय को और चुनाव आयोग को स्वत: संज्ञान लेकर कार्यवाही करना चाहिए अन्यथा चुनाव होना और न होना बराबर हो जाएंगे।

धरती पुत्र

के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प

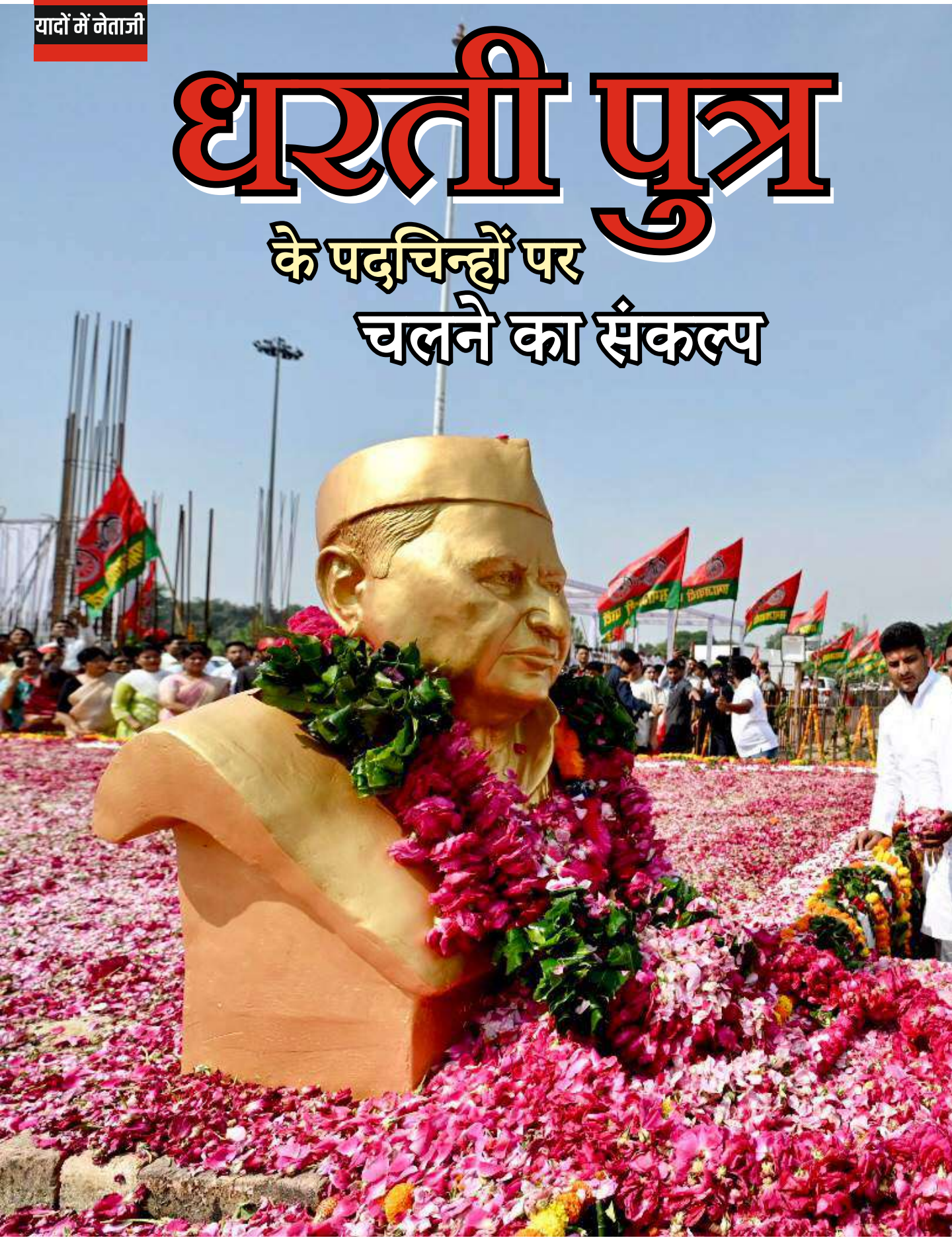

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव-नेताजी की दूसरी पुण्यतिथि पर 10 अक्टूबर को देशभर में समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए याद किया। उत्तर प्रदेश के सभी जिला व महानगर कार्यालयों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर नेताजी को पुष्प अर्पित किए गए।

मुख्य कार्यक्रम सैफई में नेताजी के समाधिस्थल पर हुआ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने नेताजी के समाधिस्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि राजनीति के बड़े-बड़े उतार-चढ़ाव में नेताजी ने देश की राजनीति और समाज को दिशा देने का काम किया। नेताजी ने सैफई की धरती से संघर्ष करके राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका निभाई और धरती पुत्र के नाम से जाने गये।

उन्होंने कहा कि नेताजी ने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक चेतना जगाने के लिए देश में लोगों को समाजवादी विचारधारा से जोड़ने का जो रास्ता दिखाया था उसी रास्ते पर समाजवादी पार्टी चल रही है। आज हम लोग संकल्प लेते हैं कि समाजवादी मूल्यों और सिद्धांतों को और आगे बढ़ाते हुए लोगों के जीवन में बदलाव लाएंगे।

श्री अखिलेश यादव के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, श्री अभय राम यादव (नेताजी के भाई), मैनपुरी से सांसद श्रीमती डिंपल यादव, अदिति, अर्जुन, आजमगढ़ से सांसद श्री धर्मेन्द्र यादव, नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय, सांसद रामजी लाल सुमन, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव, फिरोजाबाद से सांसद अक्षय यादव, बदायूं से सांसद आदित्य यादव, पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष मैनपुरी अंशुल यादव, पूर्व मंत्री आलोक शाक्य, विधायक प्रदीप यादव, विधायक आशू मलिक, चन्द्रदेवराम करेली, जासमीर अंसारी, विधायक जयप्रकाश अंचल, जयशंकर पाण्डेय, पूर्व एमएलसी अरविन्द यादव आदि समेत बड़ी संख्या में सांसदों, विधायकों पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं ने भी नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

नई दिल्ली में समाजवादी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में नेताजी की दूसरी पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य प्रो रामगोपाल यादव समेत पार्टी के तमाम नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की और नेताजी के संघर्ष और कार्यों को याद किया।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह, सांसद वीरेन्द्र सिंह, पूर्व एमएलसी डॉ मधु गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजकुमार मिश्रा ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पहलवानों ने अखाड़े में नेताजी को दी श्रद्धांजलि

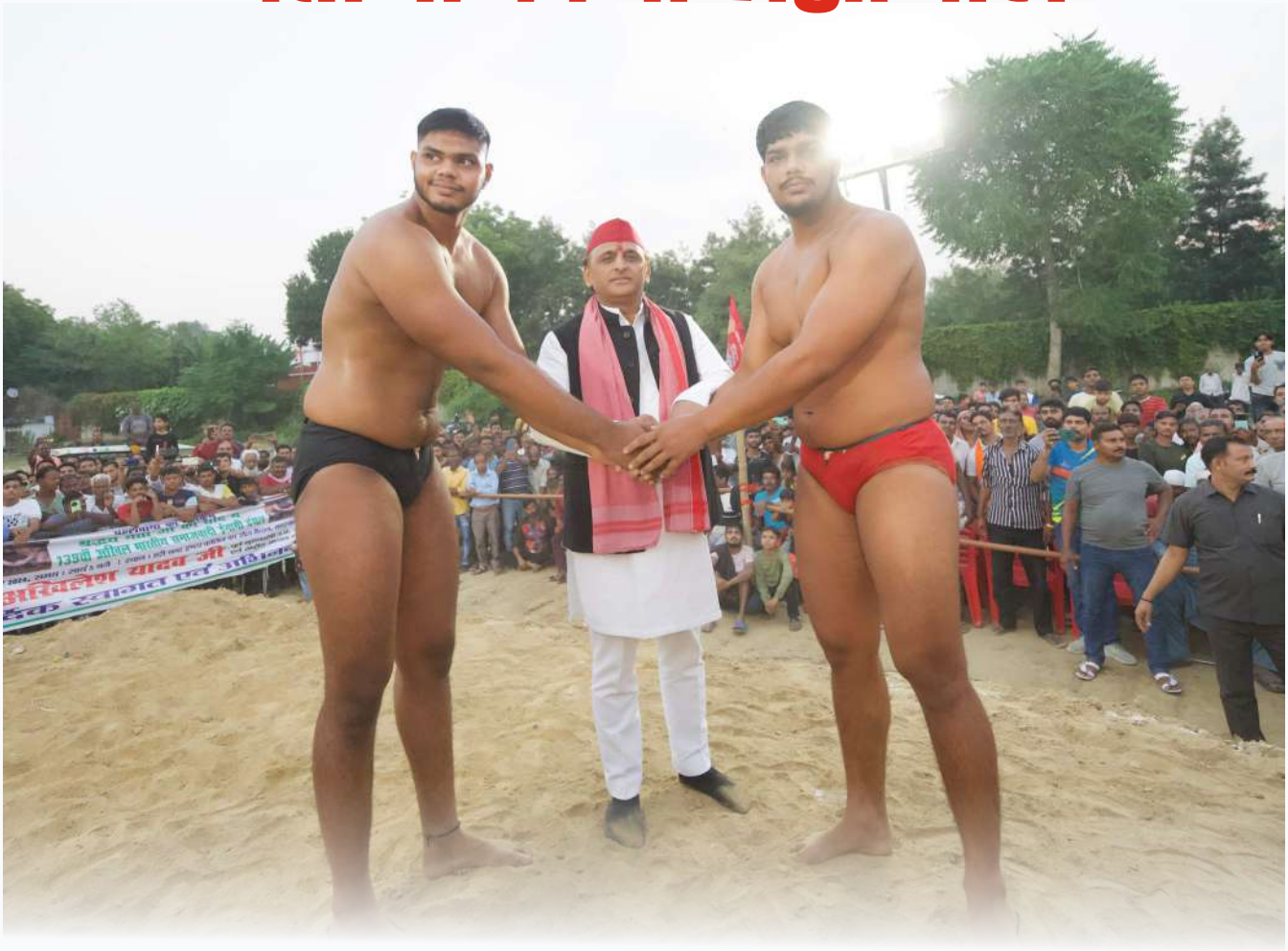

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेताजी-मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में 13 अक्टूबर को हरिश्चंद्र इंटर कॉलेज के खेल मैदान, सदर बाजार कैंट, लखनऊ में 139वें अखिल भारतीय मस्ता पहलवान (गुरूजी) लखनऊ केसरी बउवा पहलवान, स्मारक विराट इनामी दंगल के समापन में शामिल होकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पहलवानों का उत्साहवर्धन किया।

पहलवानों ने दंगल शुरू होने से पहले नेताजी को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने मिट्टी की जगह मैट पर कुश्ती की जरूरत बताते हुए पहलवानों को मैट उपलब्ध कराने की घोषणा की। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कुश्ती हमारी संस्कृति व परंपरा से जुड़ी है।

उन्होंने कहा कि देश के इस पुराने खेल का

वर्णन रामायण-महाभारत में भी मिलता है। स्वयं श्रीकृष्ण ने 12 साल की आयु में एक बड़े नामी पहलवान को हराया था। समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्रद्धेय नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव का कुश्ती से बहुत लगाव था। समाजवादी पार्टी पहलवानों की पार्टी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने जीवन भर कुश्ती व खेलों को बढ़ाया। उन्होंने दंगल के आयोजक श्री विवेक यादव और मंच पर मौजूद यशभारती सम्मानित पहलवान श्री भगत सिंह और श्री रामआसरे पहलवान को बधाई दी।

दंगल में गाजियाबाद के पहलवान शक्ति यादव और हरियाणा के सुमित को बराबर पर मुकाबला खत्म होने के लिए 51 हजार रूपये की धनराशि दी गई। 41 हजार की कुश्ती आशीष यादव सदर (अखाड़ा) और गोलू (इटावा) के बीच हुई। श्री अखिलेश यादव ने कई अन्य पहलवानों को भी इनाम दिए।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद थे। पुरोहित श्री श्रीनिवास पाण्डेय ने तिलक लगाकर श्री अखिलेश यादव को आशीर्वाद दिया।

नेताजी

आजीवन सांप्रदायिकता से लड़े

मधुकर त्रिवेदी
वरिष्ठ पत्रकार

आजादी के बाद भारत में धर्म और राजनीति के बीच एक अपवित्र गठबंधन बन गया है। राजनीति में धर्म के प्रवेश के साथ कट्टरपंथ को महत्व मिलने से जहां समाज में परस्पर वैमनस्य को बढ़ावा मिला है, वहीं हिंसात्मक उपद्रवों को भी राजनेताओं ने अपने स्वार्थसाधन का हथियार बनाने का काम किया है।

दो समुदायों के बीच विश्वास और आपसी समझ को क्षति पहुंचाने को प्राथमिकता दी जाने लगी है। लोकतंत्र के लिए सांप्रदायिकता एक कलंक अथवा अभिशाप से कम नहीं है। नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव ने इसके खिलाफ आजीवन मुखर आवाज उठाई। उन्होंने भांप लिया था कि सांप्रदायिकता का जहर फैलने पर न मानवीय संवेदना बचेगी और न ही राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा हो सकेगी।

श्री मुलायम सिंह यादव ने न केवल सांप्रदायिक ताकतों की पहचान कर उनके कारनामों से जनता को परिचित कराने का काम किया अपितु उसके खिलाफ एक राष्ट्रीय मोर्चा भी कायम किया। उन्होंने सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ जनप्रतिरोध खड़ा करने का भी काम किया। समान विचार के लोगों को जोड़कर उन्होंने संविधान की रक्षा का वचन निभाया।

कहना न होगा कि समय से पहले खतरे को भांप कर उन्होंने अपने को आज भी प्रासंगिक बना लिया है। जब धार्मिक उन्माद चरम पर था, तब भी उसके सामने चट्टान जैसी दृढ़ता दिखाने में नेताजी-मुलायम सिंह यादव ने कभी यश-अपयश, हानि-लाभ का गणित नहीं लगाया सिर्फ लक्ष्य पर ध्यान दिया।

नेताजी-मुलायम सिंह यादव ने अपने एक भाषण में कहा था "इतिहास गवाह है कि

हमने अपनी आजादी की लड़ाई बिना भेदभाव व सांप्रदायिक भावना के बिना लड़ी थी। चंद फिरकापरस्त लोग अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने के उद्देश्य से प्रदेश में सांप्रदायिकता का विष घोल रहे हैं। उनको जनता के दुःख दर्द की कोई चिंता नहीं, मासूम व निर्दोष लोगों के सांप्रदायिकता की आग में जल जाने का कोई अफसोस नहीं, वह तो बस येनकेन प्रकारेण अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं। धार्मिक विद्वेष फैलाकर स्वार्थ की रोटी सेंकने वाले देश के दुश्मन हैं।"

श्री मुलायम सिंह ने एक मौके पर चेतावनी भी दी थी "देश आज इतिहास के कठिन मोड़ पर खड़ा है। इस समय विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियां नया साम्राज्यवाद चलाने और तीसरी दुनिया के देशों को अपनी मुट्ठी में लेने की कोशिश कर रही हैं। ऐसे में हम यदि चुप बैठे रहे तो जातिवाद, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता का महाराक्षस हमारी सभ्यता और संस्कृति को निगल जाएगा और अनगिनत बलिदानों से प्राप्त लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता की हमारी उपलब्धियां नष्ट हो जाएंगी।

इस देश में फिरकापरस्त ताकतों को समाप्त किये बगैर समाजवादी आंदोलन के मूल्यों को नहीं बचाया जा सकता है। देश की नीति समता और सम्पन्नता की पक्षधर हो। समाजवादी पार्टी की नीति देश को विकास की ओर ले जाने और सामाजिक न्याय और परिवर्तन की है।"

नेताजी का स्पष्ट मत था कि "देश को सांप्रदायिकता की चुनौतियों से बचाना है तो देश की साझी संस्कृति के प्रति सम्मान और जाति, धर्म व लिंग पर आधारित बाधाएं तोड़ने की भावना हमारे नौजवानों के मानस में गहरे तक उतारनी होगी।"

मौजूदा वक्त में श्री अखिलेश यादव ने 'देश बचाओ, संविधान बचाओं' का नारा यूं ही नहीं दिया है। आज देश की मुख्य सांप्रदायिक ताकतें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आदर्शों से प्रेरित हैं और इसकी विचारधारा मूलतः फासिस्ट है।

नेताजी का स्पष्ट मत था कि "देश को सांप्रदायिकता की चुनौतियों से बचाना है तो देश की साझी संस्कृति के प्रति सम्मान और जाति, धर्म व लिंग पर आधारित बाधाएं तोड़ने की भावना हमारे नौजवानों के मानस में गहरे तक उतारनी होगी"

संघ परिवार भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का विरोधी रहा है। इसका नेतृत्व भारतीय संविधान और राष्ट्रध्वज दोनों का तिरस्कार करता रहा है। द्विराष्ट्र सिद्धांत पर बल देकर इस संगठन ने भी भारत विभाजन की पृष्ठभूमि तैयार करने में मदद की थी। आज भी यह हिन्दू-मुस्लिम के बीच के संदिग्ध मुद्दों को ही उछालने का काम करता है। इसके बनाए ध्रुवीकरण की शिला पर ही भाजपा अपना विजय लेख लिखती है। कांग्रेस जिसने देश की आजादी की लड़ाई की अगुवाई की थी सांप्रदायिकता विरोध पर फिसड्डी साबित हुई है।

जनतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संविधान और लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीयता के साथ धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों को भी संतुलन में रखते हुए समाजवादी विचार से ही विघटनकारी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सकता है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव लगातार इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। पीडीए की उनकी परिकल्पना एक ठोस और रचनात्मक दिशा का संकेत है। सामाजिक न्याय, जातीय जनगणना और डॉ राममनोहर लोहिया-बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के सिद्धांत के अनुगमन का उनका संकल्प प्रभावी विकल्प देने में समर्थ है।

राष्ट्र विरोधी तत्वों से मुकाबले में निश्चय ही उत्तर प्रदेश को अपना योगदान देना ही होगा। यह देश का सबसे बड़ा प्रदेश ही नहीं, दिल्ली के सिंहासन का भाग्य निर्माता भी है। संवैधानिक व्यवस्था को संकट में डालने वाली देश की किसी भी नीति-रीति के मुखर विरोध को अंतिम परिणति तक पहुंचाने का काम अंततः समाजवादियों का ही दायित्व होगा।

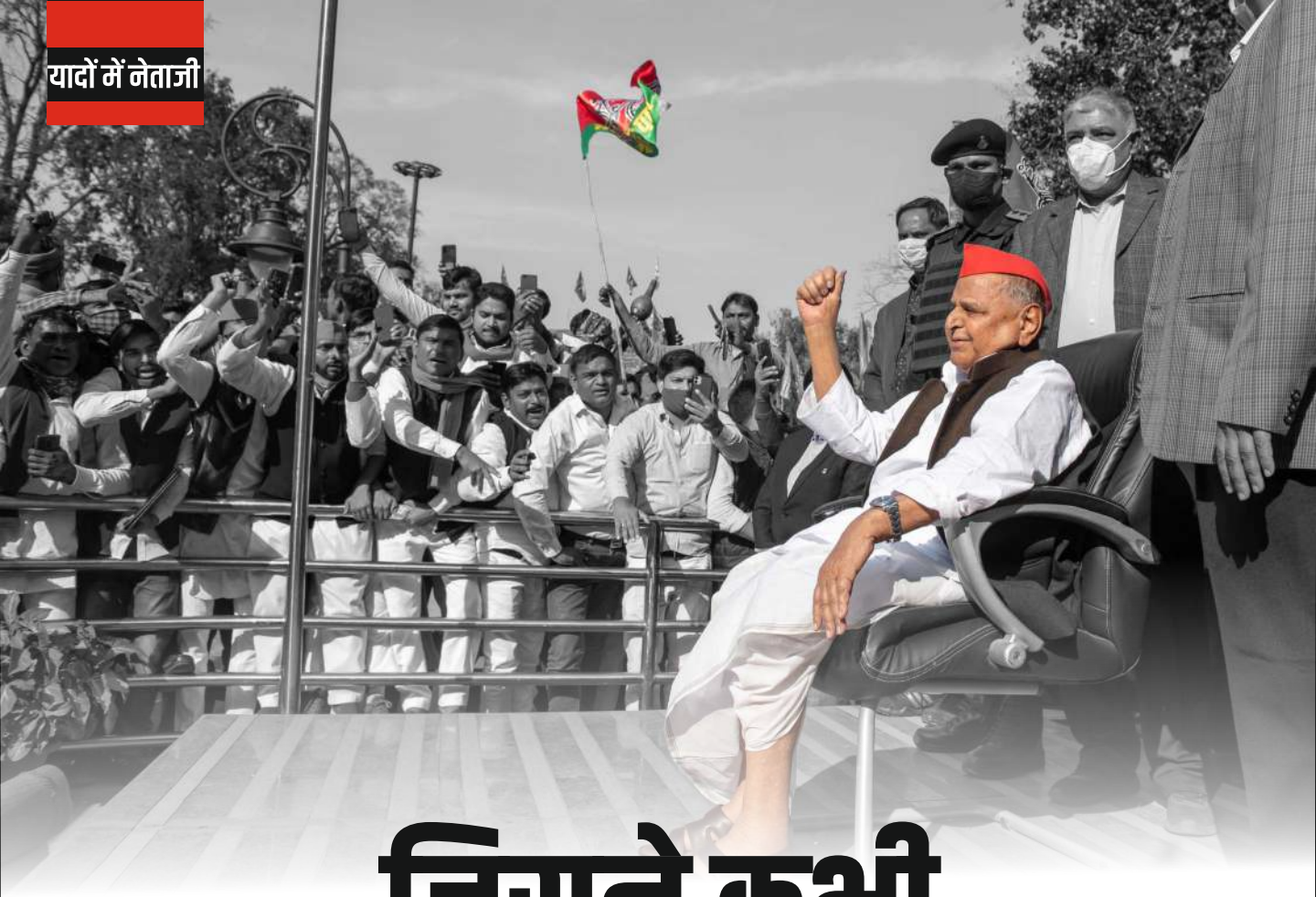

जिसने कभी न झुकना सीखा...

श्रीकांत प्रियदर्शी
समाजवादी चिंतक

देश खासतौर पर यूपी की सियासत में समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव-नेताजी का नाम दुनिया के कायम रहने तक स्वर्ण अक्षरों में लिखा रहेगा। यह सब नेताजी ने एक दिन में नहीं किया। नाम को सुनहरे अक्षरों में लिखने में और मुलायम सिंह यादव से नेताजी बनने में उन्होंने सियासत के तमाम ऊबड़-खाबड़ रास्तों का सफर तय किया। नई इबारतें गढ़ीं, नए दांव-पेंच आजमाए और आज जब वह दुनिया में नहीं हैं तो भी नेताजी का नाम जिंदा है।

मुलायम सिंह जी के लिए कहा गया एक नारा आज भी लोगों के जेहन में पेबस्त है-जिसने कभी न झुकना सीखा, उनका नाम मुलायम है। इस नारे की ताकत ने मुलायम सिंह यादव के पीछे नौजवानों की एक ऐसी फौज खड़ी कर दी जिसने सेवा और संघर्ष को ऐसे अपनाया कि यूपी की सियासत की धुरी

मुलायम सिंह यादव के इर्द-गिर्द ही घूमने लगी। न झुकने की फितरतनेताजी के सुपुत्र एवं समाजवादी पार्टी है राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव में भी मौजूद है और यह नारा उनके लिए भी बिल्कुल मौजू है।

देश व प्रदेश की राजनीति में 6 दशक तक सिर्फ सियासत को जीने वाले नेताजी की कई खूबियां कार्यकर्ताओं को कभी नहीं भूलेंगी। सबसे ऊपर उनकी याददाश्त रहेगी।

जिला हो या गांव स्तर का कोई कार्यकर्ता, नेताजी जिससे मिल लेते थे, उसे नाम से जानते-पहचानते थे। यह एक ऐसी खूबी थी जिसने सैफई के मुलायम सिंह यादव को नेताजी बना दिया।

समाजवादी पार्टी के एक कद्दावर नेता बताते हैं कि एक बार वह नेताजी से मुलाकात करने लखनऊ गए, नेताजी तब मुख्यमंत्री थे और कहीं बाहर गए थे, जब भोर में लौटे तो उन्होंने सोते वक्त एक-एक शख्स का कंबल हटाकर दरयाफ्त किया कि खाना खाया या नहीं। हां में उत्तर मिलते ही बोले, सो जाओ, सुबह मिलते हैं। कार्यकर्ता का इतना ख्याल रखने वाला शायद ही कोई नेता हो। नेताजी की यह खासियत कौन भूल पाएगा।

राजनीति के अखाड़े में उतरने के बाद पहली बार 1967 में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी (एसएसपी) के टिकट पर जसवंतनगर सीट से विधायक के रूप में चुने गए तो फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1975 में जब आपातकाल लगा तो उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया और वह 19 माह जेल की यातना सहते रहे।

यूपी की सियासत में संघर्ष की पहचान मुलायम सिंह यादव हो गए। मजलूमों, किसानों के लिए वह संघर्ष करने में कभी पीछे नहीं रहे। डटे रहना और लड़ना उनकी पहचान थी। संघर्ष की सबसे बड़ी मिसाल तब देश ने देखी और आज भी याद करती है कि उन्होंने सीधे यूपी के गर्वनर से टक्कर ले ली थी और राजभवन घेरने का ऐलान कर सांसें अटका दी थीं।

यूपी की सियासत में जिसने कभी न झुकना सीखा, उनका नाम मुलायम है, के नारे ने युवाओं में ऐसी ऊर्जा पैदा की कि वे मुलायम सिंह यादव को देखते ही जोश से लबरेज हो जाते थे। वाकई, कई ऐसे मौके आए जब मुलायम सिंह यादव ने डरकर नहीं, डटकर फैसले लिए।

यूपी की सियासत में संघर्ष की पहचान मुलायम सिंह यादव हो गए। मजलूमों, किसानों के लिए वह संघर्ष करने में कभी पीछे नहीं रहे। डटे रहना और लड़ना उनकी पहचान थी

रक्षामंत्री रहते हुए दुश्मन देश को ललकारने का आदेश देकर उन्होंने फौज का भी दिल जीत लिया था। शहीद फौजी का पार्थिव शरीर ससम्मान घर तक पहुंचाने की व्यवस्था बतौर रक्षामंत्री मुलायम सिंह यादव ने ही की थी। फौजी और उनके परिवार के लोग आज भी उनके इस फैसले पर सैल्यूट करते हैं।

90 के दशक की यूपी की सियासत में एक और बड़ा बदलाव करने का श्रेय नेताजी को जाता है। 90 के दशक से पहले राजनीतिक दलों में केंद्रीय व्यवस्था ही चलती थी और राष्ट्रीय दलों के नेता ही चेहरा माने जाते थे। नेताजी-मुलायम सिंह यादव ने इसे तोड़ा और मंडल व जिला स्तर पर क्षेत्रीय क्षत्रपों की एक बड़ी जमात तैयार की।

राजनीति में नेताजी की खींची लकीर और बड़ी होती दिख रही है क्योंकि नेताजी का पूरा अक्स समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव में साफ दिखता है। बिल्कुल नेताजी के नक्शेकदम पर चलते हुए श्री अखिलेश यादव भी कार्यकर्ताओं को वैसा ही मान देते हैं। तय है कि श्री अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी को और आगे ले जाएंगे और राष्ट्रीय राजनीति में जिस तरह उनकी अहमियत बढ़ी है, उससे निश्चित ही आने वाले दिनों में समाजवादी पार्टी और मजबूत होकर देश में उभरेगी।

अखिलेश की ललकार डरी तानाशाह सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की बेलगाम व तानाशाह हो चुकी भाजपा सरकार से हर मुद्दे पर समाजवादी पार्टी डटकर मुकाबला कर रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के सक्षम और दृढ़नेतृत्व का ही नतीजा है कि बार-बार सरकार को डरना और सहम जाना पड़ रहा है।

इसकी ताजा बानगी तब दिखी जब फर्जी 11 अक्टूबर को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती परलखनऊ स्थित जेपी इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर पर लोकनायक को श्रद्धांजलि देने जाने के सपा प्रमुख भी अखिलेश यादव के कार्यक्रम में भाजपा सरकार ने पिछले वर्ष की तरह इस बार भी बाधाएं खड़ी की। लेकिन सपा मुखिया ने जिस प्रकार पिछले वर्ष सरकार की बाधाओं की परवाह न करते हुए जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित की थी ठीक उसी तरह इस बार भी सरकार को ललकारते हुए सरकार को बैक फुट पर लाकर सफाई देने की मुद्रा में ला दिया।

श्री अखिलेश यादव की ललकार से भाजपा सरकारइस कदर डरी कि श्री यादव ने सरकार द्वारा उनकी आवास के सामने पुलिस की भारी घेराबंदी एवं बैरिकेडिंग के बावजूद सपा मुखिया को आवास से निकलने एवं सड़क पर ही लोकनायक की प्रतिमा लगाकर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने व हजारों की तादाद में जुटे सपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करने से रोक नहीं पाई।

दरअसल एक जिम्मेदार राजनेता का फर्ज निभाते हुए श्री अखिलेश यादव ने नवरात्रि व विजयादशमी पर्व के नाते संयम से काम लिया वरना सरकार और उसके अधिकारियों ने जो हिमाकत की थी, उससे पूरे प्रदेश में समाजवादियों में उबाल आ जाता।

भाजपा सरकार के जन विरोधी कार्यों को लेकर श्री अखिलेश यादव लगातार मुखर हैं। वह हर मुद्दे पर सरकार को जिस तरह घेर ले रहे हैं, उससे सरकार और भाजपा के लोग डरे-सहमे हैं। डरने की एक महत्वपूर्ण वजह यह भी है कि श्री अखिलेश यादव नकारात्मक राजनीति नहीं करते। वह हमेशा ही प्रदेश के विकास और आमजन के हिताे की आवाज बनते हैं। गलत होने पर वह तीखा विरोध जताते रहे हैं जिस वजह से उन्हें उत्तर प्रदेश की जनता का व्यापक समर्थन भी हासिल है।

जनसमर्थन का सबूत अभी बीते दिनो लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम भी रहे जिसमें जनता ने इंडिया गठबंधन का यूपी में नेतृत्व कर रहे श्री अखिलेश यादव को 43 सीटों पर विजय दिलाई जिसमें 37 सीटें अकेली समाजवादी पार्टी को मिलीं और वह देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। समाजवादी पार्टी की इस जीत से भाजपा में अफरातफरी मच गई है। तभी से भाजपा सरकारसपा मुखिया को रोकने की कोशिशों में जुटी हुई है।

सत्ता के मद में चूर भाजपा यह भूल जाती है कि उसका मुकाबला समाजवादी पार्टी और

उसके अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से है जो अन्याय-अत्याचार को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

यह भाजपा ने पिछले साल भी देखा था जब लोकनायक जयप्रकाश की जयंती पर सरकार ने सपा प्रमुख को जय प्रकाश नारायण सेंटर जाने से रोका था लेकिन श्री यादव वहां चहारदीवारी फांदकर सेंटर में दाखिल हुए थे और लोकनायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर ही लौटेथे। तब भी सरकार को डरना पड़ा था।

इस साल भी सरकार ने फिरवही हिमाकत कर दी। अफसरों ने श्री अखिलेश यादव के डर से जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर के बाहर इस इरादे से टीन की दीवार खड़ी कर दी ताकि वह इस बार भी चहारदीवारी न फांद सकें। अफसरों ने लोकनायक की प्रतिमा पर माल्यापर्ण न करने का जो तर्क गढ़ा, वह भी बचकाना था कि बारिश का मौसम होने के कारण सेंटर के परिसर में जीव-जंतुओं से श्री अखिलेश यादव को खतरा हो सकता है।

सवाल उठता है कि जब लोकनायक की जयंती पर वहां जाने का श्री यादव का कार्यक्रम लिखित तौर पर संबंधित विभाग को भेजा जा चुका था तो पहले से ही सरकार ने जरूरी साफ-सफाई क्यों नहीं कराई थी। दरअसल भाजपा सरकार हमेशा से ही आजादी की लड़ाई लड़ने वालों की बेकद्री करती रही है और ऐतिहासिक तथ्य है कि भाजपा और उसके मातृ संगठन आरएसएस का स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान नहीं रहा है। लिहाजा उसका हमेशा ही यह इरादा होता है कि किसी तरह आजादी के महानायकों के सम्मान में रोड़ा अटकाया जाए।

उसीमानसिकता के मद्देनजर योगी सरकार ने जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर जाने से श्री अखिलेश यादव को रोककर फिर अपनी तानाशाही का परिचय दिया मगर वह यह भूल गई कि समाजवादी संघर्ष के लिए ही जाने-पहचाने जाते हैं। जैसे ही श्री अखिलेश यादव को जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर की घेराबंदी की जानकारी मिली वह रात में वहां पहुंच गए और विरोध जताया। अधिकारियों को चेतावनी दी और फिर अगली सुबह वहां पहुंचने का अपना दृढ़ इरादा जता दिया।

श्री यादव की इस ललकार से सरकार डर गई। रातों-रात सेंटर के बाहर भारी पहरा बैठा दिया। 11 अक्टूबर को जयंती के दिन

श्री अखिलेश यादव के आवास के बाहर भी पुलिस का कड़ा पहरा लगाकर उनके दृढ़ इरादों को रोकने की कोशिश की गई मगर समाजवादी डट गए। श्री अखिलेश यादव के मजबूत इरादों और समाजवादी कार्यकर्ताओं के आक्रोश को दबाने के लिए श्री अखिलेश यादव के आवास के बाहर कांटों की तार भी बिछा दी गई।

यह सब करने के बाद भी तानाशाह सरकार हार गई। समाजवादियों का सैलाब पहुंच गया। कार्यकर्ता आवास के भीतर लगी लोकनायक जय प्रकाश की प्रतिमा सड़क पर ही ले आए और श्री अखिलेश यादव ने सरकार को ललकारते हुए लोकनायक को नमन किया। लोकनायक की संपूर्ण क्रांति को याद किया और तानाशाह व विनाशकारी सरकार को ललकारते हुए जनविरोधी भाजपा सरकार को हटाने का संकल्प दोहराया।

दृढ़ इच्छाशक्ति, संघर्ष को समाजवादी पूंजी मानने वाले श्री अखिलेश यादव के संयम की भी तारीफ की जा रही है। जैसे ही सरकार की तानाशाही की सूचना प्रदेश के जिलों में पहुंची, समाजवादियों की मुठ्ठियां भिंच गईं। नेतृत्व के संकेत का इंतजार होने लगा मगर सकारात्मक राजनीति करने वाले श्री अखिलेश यादव ने ऐलान कर

विनाशकारी सरकार के दिन लदे

बुलेटिन ब्यूरो

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर भाजपा सरकार के विरोध के बावजूद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 11 अक्टूबर को सड़क पर उतर कर महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाजवादी नेता भारतरत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर समाजवादी पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार विनाशकारी सरकार है। इनके नेताओं के चेहरे के भाव विनाशकारी हैं। भाजपा सरकार हर अच्छे काम को बर्बाद कर रही है। भाजपा सरकार तानाशाही पर उतारू है। संविधान और लोकतंत्र को कुचल रही है। समाजवादियों को समाजवादी महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान नहीं करने दे रही है। अब इस विनाशकारी सरकार के दिन पूरे हो गए हैं।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर में क्या छिपाना चाहती है? वहां क्यों नहीं जाने देना चाहती है? श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार साजिश और षड़यंत्र करके जेपीएनआईसी को बेचना चाहती है। इसके पहले इस सरकार ने किसान बाजार और शापिंग काम्पलेक्स को बेच दिया। भाजपा के लोगों का देश की आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं है, इसीलिए वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान का विरोध करते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि त्योहार होने के बाद भी वे आज सड़क पर उतरकर संघर्ष में शामिल हुए। भाजपा सरकार उन्हें रोकना चाहती थी लेकिन समाजवादियों को सड़क पर उतरने से नहीं रोक सकती है। समाजवादी लोग हर समय संघर्ष के लिए तैयार रहते हैं। आज अगर लोग त्योहार नहीं मना पा रहे हैं, पूजा नहीं कर पा रहे हैं तो उसके दोषी खुद मुख्यमंत्री जी हैं। सारा पाप इन्हीं को पड़ेगा। भाजपा सरकार के रवैये और कार्यप्रणाली से प्रदेश की जनता बहुत नाराज है।

दिया कि अगर पर्व का अवसर न होता तो यह बैरीकेडिंग उन्हें नहीं रोक पाती। श्री अखिलेश यादव के संकेत के बाद समाजवादियों ने अपने गुस्से को काबू में किया।

दरअसल भाजपा सरकार जनविरोधी कार्यों के खिलाफ श्री अखिलेश यादव के आक्रामक तेवर से घबराई हुई है। श्री अखिलेश यादव की बढ़ती लोकप्रियता ने भी उसकी चूलें हिला रखी हैं। भाजपा को पता है कि 2027 में यूपी की जनता उसकी विदाई करने वाली है इसलिए वह अब तानाशाही के जरिये श्री अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी को रोकने का हर संभव प्रयास कर रही है मगर श्री अखिलेश यादव की ललकार के बाद उसे कदम पीछे खींचने पड़ जा रहे हैं।

इतना तय है कि आने वाले दिनों में फिर अगर भाजपा सरकार ने कोई तानाशाही फैसला लिया तो उसे श्री अखिलेश यादव की ओर से फिर कड़ा जवाब मिलेगा और तब, समाजवादी .कार्यकर्ताओं का मुकाबला करना इस सरकार के बूते की बात नहीं होगी।

भाजपा राज में उत्तर प्रदेश

अंधेरगर्दी का डबल इंजन

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में तथाकथित डबल इंजन की सरकार में चारो तरफ अंधेरगर्दी का साम्राज्य है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं। बहराइच में पुलिस की मौजूदगी में हुई हिंसा बानगी है कि अराजक तत्वों के सामने पुलिस की प्रासंगिकता खत्म हो चुकी है।

यूपी में कानून व्यवस्था का ऐसा मजाक बनाया जा रहा है कि हर दिन हत्या, लूट व महिलाओं-बच्चियों के साथ रेप व छेड़खानी की वारदातें दिल दहला रही हैं। थाना व तहसील से लेकर हर तरफ अराजकता, भ्रष्टाचार का ऐसा बोलबाला है कि आमजन त्रस्त हो चुकी है।

कानून व्यवस्था की इससे चौपट हालत क्या होगी कि खुद भाजपा विधायक भी भाजपाइयों से ही सरेआम पिट जा रहे हैं, राज्यमंत्री के घर चोरी हो जा रही है तो वहीं भाजपा विधायक कमिश्नरेट को कमीशन रेट का खिताब देकर खुद ही भाजपा सरकार की पोल खोल रहे हैं।

ध्वस्त हो चुकी कानून व्यवस्था का ताजा उदाहरण बहराइच में हुई हिंसा है। यहां जिस तरह अराजकता हुई, हिंसक वारदातें हुई और इसमें एक की जान गईं, वह भाजपा सरकार के जीरो टालरेंस के दावों को झुठलाने के लिए काफी है।

पुलिस की मौजूदगी में हुई हिंसा की वारदात में चंद जूनियर पुलिस वालों को सस्पेंड कर दिया गया जबकि इसमें भाजपा सरकार पूरी तरह जिम्मेदार रही। उसने संवेदनशील इलाकों में भी कानून-व्यवस्था बनाने के लिए जरूरी इंतजाम नहीं किए थे।

सिर्फ बहराइच ही नहीं बल्कि यूपी के बाकी हिस्सों में भी आये दिन हो रही हत्याएं, लूट की वारदातें कानून व्यवस्था का मखौल उड़ा रही हैं। रिटायर्ड आईएएस के साथ राजधानी में सरेआम लूट, सुल्तानपुर में 10 घंटे के भीतर दो-दो हत्याएं, अमेठी में दलित शिक्षक के परिवार की सामूहिक हत्याएं, राजधानी लखनऊ में नाबालिग से गैंग रेप और देवरिया में छात्राओं के साथ सरेआमे छेड़खानी की वारदातें सरकार को मुंह चिढ़ा रही हैं।

जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली योगी सरकार किसी भाजपाई या उनसे जुड़े लोगों के अपराध में लिप्त होने पर जब लीपापोती करतै है तब भाजपा का असली चेहरा सामने आ जाता है। बीएचयू में छात्रा के साथ हुई घटना के आरोपियों का जमानत से छूटकर जेल से बाहर आने पर जब स्वागत होता है तो पता चल जाता है कि उन्हें भाजपा सरकार का खुला संरक्षण हासिल है। तब, यह भी स्थापित हो जाता है कि भाजपा सरकार में अपराधी कहीं नहीं गए हैं बल्कि उनका भाजपाईकरण हो गया है। तमाम दबंगों, अपराधियों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। सरकार हर स्तर पर भेदभाव करती साफतौर पर दिख रही है।

ऐसे तमाम मामले सामने आ चुके हैं कि भाजपा सरकार में राजनीतिक विरोधियों को फंसाने की साजिश की जा रही है और अवांछित तत्वों को बढ़ावा देकर निर्दोषों को फंसाया जाता है। यूपी में हुए कई एनकाउंटर भी यह बताते हैं कि योगीराज में जाति धर्म देखकर सजाएं तय की जाती हैं।

ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिसमें अपराध में लिप्त होने वाले सत्ताधारी दल से

उत्तर प्रदेश में अराजकता का माहौल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के भेदभावपूर्ण रवैये ने उत्तर प्रदेश को जंगलराज बना दिया है। अपहरण, हत्या, लूट, बलात्कार जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। जिस तरह का माहौल है उससे उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार अपराध के अमृतकाल के लिए जानी जाएगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अपराधी बेखौफ होकर घटनाएं कर रहे हैं। जौनपुर में एक युवक की अपहरण के बाद हत्या हो गई। लखनऊ में युवती का अपहरण, सुल्तानपुर में गोलीकांड, शामली में बैंक डकैती जैसी दर्जनों आपराधिक घटनाएं हर दिन हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार में पुलिस अपराधियों को पकड़ने और अपराधों पर लगाम लगाने के बजाय सरकार के इशारे पर राजनीतिक विरोधियों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों को झूठे मामलों में फंसाकर परेशान करती है। प्रताड़ित करती है।

उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन भाजपा का कार्यकर्ता बनकर काम कर रहा है। कानून व्यवस्था और भ्रष्ट्राचार पर जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो साबित हो चुका है। सरकार आम जनता को सुरक्षा देने में नाकाम है। लोगों में भय का माहौल है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। श्री यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा की अराजकता और अहंकार का मुंहतोड़ जवाब देगी।

जुड़े असामाजिक तत्वों को छूट मिल गई और विपक्षियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की कार्यवाही में तनिक भी देर नहीं हुई।

कार्यवाही में निष्पक्षता न होने के कारण ही यूपी में अपराध कम होने के बजाय लगातार बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट लिखवाने की जटिलता के कारण एफआईआर दर्ज नहीं होती जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

दरअसल, यूपी में कानून-व्यवस्था का रोजाना एनकाउंटर हो रहा है। अमेठी में अध्यापक के परिवार की सामूहिक हत्या से लेकर सुल्तानपुर में एक ही दिन दो लोगों की हत्या के अलावा वाराणसी में साधु की बेरहमी से हत्या यह बताने के लिए काफी है कि यूपी में अराजकता का आलम है।

बदमाशों में सरकार का कोई खौफ नहीं रह गया है। राजधानी लखनऊ में रिटायर्ड आईएएस के साथ लूट भी सरकार की ध्वस्त हो चुकी कानून-व्यवस्था को आइना दिखाने के लिए काफी है। वहीं, सरकार फर्जी एनकाउंटर कर अपनी झूठी शाबाशी कराने की नाकाम कोशिश कर रही है।

अंधेरगर्दी का आलम यह है कि पूरा प्रदेश अब वाकिफ हो चुका है कि भाजपा सरकारों में हमेशा ही लोकतंत्र का गला घोंटा जाता रहा है। कोई भी चुनाव हो, भाजपा राज में निष्पक्ष नहीं होता। गन्ना समितियों के चुनाव से लेकर अर्बन बैंक सोसायटी के चुनाव में भी भाजपा की धांधली सामने आ चुकी है।

अब भाजपा के नेता, पदाधिकारी, विधायक खुद स्वीकार करते हैं कि प्रदेश में भ्रष्टाचार बहुत बढ़ गया है। इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं रहा। भाजपा और इनके सहयोगी दलों के नेता और जनप्रतिनिधि शासन-प्रशासन पर आकंठ भ्रष्ट्राचार में डूबे होने की जिस तरह बातें कर रहे हैं, मुख्यमंत्री को अब अपने शासन-प्रशासन के कुशासन को स्वीकार कर लेना चाहिए। भाजपा विधायक ने ही बाकायदा चिठ्ठी लिखकर आगरा के पुलिस कमिश्नरेट को कमीशन रेट की उपाधि देकर बता दिया है कि किस तरह की सरकार चल रही है। कमिश्नरेट दरअसल करेप्शनरेट बन गए हैं। कमिश्नरेट वसूली का विकेन्द्रीकरण है।

अंधेरगर्दी का आलम यह है कि पूरा प्रदेश अब वाकिफ हो चुका है कि भाजपा सरकारों में हमेशा ही लोकतंत्र का गला घोंटा जाता रहा है। कोई भी चुनाव हो, भाजपा राज में निष्पक्ष नहीं होता। गन्ना समितियों के चुनाव से लेकर अर्बन बैंक सोसायटी के चुनाव में भी भाजपा की धांधली सामने आ चुकी है

भाजपा सरकार में व्याप्त समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए निर्दोषों को झूठे मुकदमों में फंसाने और फर्जी एनकाउंटर का खेल चल रहा है। याद रहे कमजोर लोग एनकाउंटर को अपनी शक्ति मानते हैं जबकि किसी भी सभ्य समाज व कानून के राज में किसी का भी फर्जी एनकाउंटर नाइंसाफी है। विरोधियों को सबक सिखाने के इरादे से फर्जी एनकाउंटर या फर्जी मुकदमें की वजह से ही यूपी में अपराध पर काबू नहीं पाया जा रहा है।

अंधेरगर्दी की वजह से ही महिला हिंसा की वारदातें बढ़ती जा रही हैं और सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। तथाकथित डबल इंजन की सरकार की अंधेरगर्दी ने जनता को इस कदर तबाह व त्रस्त कर दिया है कि वह 2027 का इंतजार कर रही है ताकि भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल किया जा सके।

उत्तर प्रदेश

मुठभेड़ में आगे आमदनी में फिसड्डी

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश 'तरक्की' कर रहा है लेकिन यह तरक्की उल्टी दिशा में हो रही है। उत्तर प्रदेश के आगे बढ़ने की दिशा संविधान के लोकतांत्रिक उद्देश्य और विकास के सहस्राब्दि लक्ष्य को धता बताकर हो रही है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के आधे अधूरे आंकड़ों के आधार पर दावा किया जाता है कि उत्तर प्रदेश ने अपराध के राष्ट्रीय औसत

से अपनी दरें घटाई हैं। अभियुक्तों के सजा पाने की दर भी बढ़ी है लेकिन हकीकत कुछ और ही कहती है।

दूसरी ओर प्रति व्यक्ति औसत आय, साक्षरता दर, रोजगार की दरें और विकास के दूसरे सूचकांक के मानक पर प्रदेश अभी तमाम राज्यों से बहुत पीछे है जबकि राष्ट्रीयता आंदोलन से लेकर आजाद भारत तक उत्तर प्रदेश के चिंतक राजनेता निरंतर नागरिक स्वतंत्रता का आदर्श स्थापित करने के लिए गतिशील थे।

इस काम में अगर पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रेरक भूमिका थी तो डा राम मनोहर लोहिया की भूमिका नागरिक स्वतंत्रता के विचारों को अमली जामा पहनाने की थी। उत्तर प्रदेश में मानवाधिकारों के हनन के विरुद्ध जहां समाजवादियों ने अलख जगाई वहीं जाति और धर्म की हिंसा में उसे स्वाहा कर देने में संघ परिवार आगे रहा है। लगता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मौजूदा सरकार बिना मुकदमा चलाए, बिना जांच किए पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर लोगों को ठोंक देने की नीति पर काम कर रही है।

उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े सात सालों में 13,000 मुठभेड़ें हुई हैं। यानी हर तेरहवें दिन एक कथित अपराधी मारा गया। इस दौरान कुल 207 सूचीबद्ध अपराधी मारे गए इसके अलावा 17 पुलिस वालों की भी जान गई। लेकिन अभी तक किसी भी मुठभेड़ की विधिवत जांच नहीं हुई। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट का दिशा निर्देश है। उल्टे उत्तर प्रदेश की पुलिस का दावा है कि जितने अपराधी मारे गए उन सब पर 75,000 से पांच लाख रुपए तक का इनाम था।

इस बारे में उत्तर प्रदेश पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश के पालन का भी दावा किया है। इसीलिए अब तक एक भी मुठभेड़ सुप्रीम कोर्ट की निगाह में संदेहास्पद नहीं पाई गई है।

पुलिस और एसटीएफ यानी स्पेशल टास्क फोर्स की ओर से किए जा रहे मुठभेड़ों पर हाल में सर्वाधिक विवाद उस समय हुआ जब सुल्तानपुर में सर्राफा की दुकान में हुई आभूषणों की डकैती के आरोप में पांच सितंबर को मंगेश यादव मारा गया।

वास्तव में उत्तर प्रदेश में नागरिक स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट समझ नहीं निर्मित हुई है और जो कुछ हो रही थी उसे संघ परिवार की सोच और उनका प्रतिनिधित्व करने वाली सरकारों ने कुचल दिया है

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने साफ साफ आरोप लगाया कि मंगेश यादव कोई आदतन अपराधी नहीं था। डकैती से जुड़े बाकी लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया जबकि मंगेश को उठाकर मार दिया गया। यह साफ साफ जातिवादी राजनीति का परिणाम है। इसीलिए अखिलेश यादव ने स्पेशल टास्क फोर्स को स्पेशल ठाकुर फोर्स कहा। उन्होंने इसे दूसरा नाम दिया सरेआम ठोको फोर्स।

उनका यह भी आरोप है कि एसटीएफ के 21 अधिकारियों में सिर्फ दो अधिकारी दलित और ओबीसी समुदाय से हैं और बाकी सब सवर्ण समाज से हैं। यानी आबादी के 10 प्रतिशत हिस्से का 90 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है जबकि आबादी के 90 प्रतिशत हिस्से का सिर्फ दस प्रतिशत।

वास्तव में उत्तर प्रदेश में नागरिक स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट समझ नहीं निर्मित हुई है और जो कुछ हो रही थी उसे संघ परिवार की सोच और उनका प्रतिनिधित्व करने वाली सरकारों ने कुचल दिया है। यह सरकारें पहले अपराध बढ़ने का हौवा खड़ा करती हैं और फिर जाति और धर्म देखकर लोगों को अपराधी घोषित करती हैं। उसके बाद ठोको नीति पर चल कर उनकी हत्याएं करती हैं। इनमें न तो संविधान का सम्मान किया जाता है और न ही मानवाधिकार का।

आज की इन्हीं स्थितियों का अनुमान लगाते हुए पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 1936 में इंडियन यूनियन फार सिविल राइट्स जैसा संगठन बनाया था। उन्हीं की प्रेरणा से डा राम मनोहर लोहिया ने नागरिक स्वतंत्रता नामक पुस्तिका लिखी थी। तब डा लोहिया कांग्रेस के विदेश विभाग के सचिव थे। उस पुस्तिका की भूमिका पंडित नेहरू ने लिखी थी।

पंडित नेहरू ने लिखा, `` हाल के महीनों में भारत में नागरिक स्वतंत्रता की बहुत चर्चा रही है। यह कोई अचरज की बात नहीं है क्योंकि नागरिक स्वतंत्रता का हमारे यहां जिस पैमाने पर दमन हो रहा है वह अब एक भयानक संकट बन गया है। हम सब शिकार हो रहे हैं और सिर्फ अपने स्वार्थ के कारण इसका प्रतिकार करने को हमें प्रेरित होना

फोटो स्रोत : गूगल

चाहिए था। लेकिन सारी चर्चा के बावजूद बहुत कम लोग हैं जो इसके बारे में सोचते हैं और इसके महत्त्व को समझते हैं। ऐसे ऐसे सवाल किए जाते हैं जो इस बारे में घोर अज्ञान को जाहिर करते हैं। यही नहीं इसके साथ आर्थिक और सामाजिक सवालों की खिचड़ी पकाने की चेष्टा की जाती है। डा राममनोहर लोहिया ने नागरिक स्वतंत्रता की अवधारणा और पश्चिमी देशों में उससे विकास के बारे में यह पुस्तिका तैयार करके बढ़िया काम किया है। मैं आशा करता हूं कि बहुत सारे लोग इसे पढ़ेंगे और इससे नागरिक स्वतंत्रता के हनन और राज्य की बढ़ती हुई दखलंदाजी का जिसने लगभग कुछ नहीं छोड़ा है प्रतिकार करने में हमें मदद मिलेगी।"

डा लोहिया की पुस्तिका का मूल शीर्षक अंग्रेजी में था—द स्ट्रगल फार सिविल लिबरटीज। जयप्रकाश नारायण भी नागरिक स्वतंत्रता के लिए बहुत सतर्क थे और उन्होंने पीपुल्स यूनियन फार डेमोक्रेटिक राइट्स जैसे संगठन का गठन किया था।

वास्तव में नागरिक अधिकारों की जिस अवधारणा को हर विश्वविद्यालय और कालेज में पढ़ाया जाना चाहिए उसे मौजूदा सरकारें भुलाने में लगी हैं। पुलिस स्वयं न्यायपालिका की भूमिका का निर्वहन कर रहीहै। मानवाधिकार कार्यकर्ता राज्य के निशाने पर रहते हैं। उन्हें या तो अपराधी बता दिया जाता है या फिर आतंकवाद समर्थक।

ऐसे में इस ओर कौन ध्यान देगा कि जिस उत्तर प्रदेश में अपराध के आंकड़े कम होने का दावा किया जाता है वहां पर वास्तव में महिलाओं के विरुद्ध अपराध बढ़ रहे हैं। अगर उत्तर प्रदेश में महिलाओं की हत्या, बलात्कार, अपहरण, बलात्कार के बाद हत्या के अपराध 2020 में 49,385 थे तो वे 2021 में 56,083 और 2022 में 65,743 हो गए। महिलाओं का अपहरण सर्वाधिक है—14,887 । दहेज हत्याओं की संख्या 2,138 है। पति और ससुराल वालों द्वारा यातना देने की घटनाएं 20,371 हैं। उत्तर प्रदेश में बलात्कार के मामले देश में राजस्थान के बाद सर्वाधिक हैं। अगर राजस्थान में सालाना संख्या 5,399 है तो उत्तर प्रदेश में 3,690 हैं।

मुठभेड़ और बुलडोजर की कार्रवाई में सबसे

आगे रहने वाले उत्तर प्रदेश के मानव विकास सूचकांक पर ध्यान दिया जाना चाहिए। देश का सबसे गरीब जिला इसी प्रदेश का हिस्सा है। उसका नाम है बहराइच और वहां गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों का औसत 54.49 प्रतिशत है। जबकि पूरे प्रदेश में गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों का औसत 37.08 प्रतिशत है।

उत्तर प्रदेश की साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। अगर देश की साक्षरता दर का औसत 74.04 प्रतिशत है तो उत्तर प्रदेश में साक्षरता दर 67.7 प्रतिशत है। इनमें पुरुषों की दर 81.8 प्रतिशत है तो स्त्रियों की दर 63.4 प्रतिशत है। उत्तर के पिछड़े जिलों में शुमार किए जाने वाले बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर में तो यह औसत 50 प्रतिशत से भी नीचे है।

सन 2024 के वित्त वर्ष में भारत में प्रति व्यक्ति सालाना आय का औसत अगर 98, 374 है तो उत्तर प्रदेश का उससे भी नीचे यानी 93,000 रुपए है। देश में सबसे ज्यादा प्रति व्यक्ति आय सिक्किम की है जहां सालाना एक व्यक्ति 5,87,000 रुपए कमाता है। उसके बाद गोवा, दिल्ली, चंडीगढ़ और फिर तेलंगाना का नंबर है।

मानव विकास सूचकांक के पैमाने पर भी उत्तर प्रदेश का नंबर 32 वां है। यह सही है कि 1993-1994 से लेकर 2020---2021 के बीच उत्तर प्रदेश का मानव विकास सूचकांक 0.373 से 0.563 तक पहुंचा है लेकिन अभी भी वह 0.633 के राष्ट्रीय औसत से पीछे है। मानव विकास सूचकांक के पैमाने पर केरल 0.752 के साथ शीर्ष पर है जबकि उसके बाद गोवा, चंडीगढ़, तमिलनाडु और दिल्ली का नंबर है।

जहां तक औद्योगिक विकास का सवाल है तो उत्तर प्रदेश अपने आकार के लिहाज से अभी भी बहुत पीछे है। आबादी के लिहाज से उत्तर प्रदेश पाकिस्तान से भी बड़ा है लेकिन वहां देश की महज 6.99 प्रतिशत औद्योगिक इकाइयां हैं।

उत्तर प्रदेश का सही अर्थों में विकास वही नेता और दल कर सकता है जिसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता की समझ हो और जिसमें समता और समृद्धि का स्वप्न हो। वह नेता और पार्टी नहीं कर सकती जिसके भीतर मार दो ठोंक दो, गिरा दो, ढहा दो की भावना गूंज रही है

उत्तर प्रदेश का सही अर्थों में विकास वही नेता और दल कर सकता है जिसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता की समझ हो और जिसमें समता और समृद्धि का स्वप्न हो। वह नेता और पार्टी नहीं कर सकती जिसके भीतर मार दो ठोंक दो, गिरा दो, ढहा दो की भावना गूंज रही है। नफ़रती पार्टियों और नेताओं के भीतर समता और समृद्धि का सपना आ ही नहीं सकता। वे या तो भेदभाव करेंगे या फिर दमन। इसी आधार पर वे समाज को संगठित करते हैं और उन्हें लगता है कि उन्होंने बहुत कुछ हासिल कर लिया है। लेकिन जब वस्तुगत तरीके से उनका मूल्यांकन किया जाता है तो वही तस्वीर उभरती है जो ऊपर दिए गए आंकड़ों में उभर रही है।

उत्तर प्रदेश में देश की आबादी का बड़ा हिस्सा रहता है और उसका राजनीतिक रसूख भी बहुत है। लेकिन उसके पास अपने विकास का खाका नहीं है। वह देश को राष्ट्रवाद के बहाने सांप्रदायिकता के बारूद की सप्लाई करता है। यह एक नकारात्मक भूमिका है और यह भूमिका निभाते हुए कोई राज्य या इलाका सही मायने में तरक्की नहीं कर सकता। तरक्की के लिए विश्वसनीय आंकड़े चाहिए और चाहिए उनका तटस्थ विश्लेषण। उसी के आधार पर बिना भेदभाव वाली नीतियां बनाने से ही धरती और आबादी का कोई हिस्सा अपने को आगे ले जा सकेगा। शायद मौजूदा सरकार के रहते हुए यह महज कल्पना में ही रह जाएगा।

उपचुनावों के लिए सपा तैयार

एनडीए को फिर हराएगा PDA

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा होते ही अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में भाजपा को करारी शिकस्त देने के बाद अब अगले महीने प्रदेश में होने वाले 9 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा को फिर पटकनी देने के लिए सपा ने कमर कस ली है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने ऐलान किया है कि फिर एक बार PDA ही एनडीए को हराएगा। उन्होंने कहा कि यह सिलसिला न केवल उपचुनावों में बल्कि 2027 में होने वाले विधानसभा के चुनाव में भी जारी रहेगा।

उधर सपा के प्रति बढ़ते आकर्षण की एक और बानगी तब दिखाई दी जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव

के नेतृत्व एवं समाजवादी पार्टी की नीतियों पर आस्था जताते हुए 14 अक्टूबर को शोषित समाज अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राज कुमार गौतम ने अपनी पार्टी का समाजवादी पार्टी में विलय कर दिया। उनके साथ भीम आर्मी के कई प्रमुख नेता भी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

उपचुनावों के लिए सपा का शीर्ष नेतृत्व कितना गंभीर है इसका अंदाजा इसी से लग सकता है कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनाव संपन्न होते ही सपा ने उपचुनावों के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करनी शुरू कर दी। इसमें मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए प्रत्याशी के नाम की घोषणा भी शामिल है। लेकिन आश्चर्यजनक यह रहा कि चुनाव आयोग ने 10 में से 9 सीटों के यूपी चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा तो की लेकिन मिल्कीपुर का नहीं किया। सपा नेतृत्व ने कहा है कि यहां जब भी उपचुनाव हो पार्टी पूरी तरह से तैयार है।

उपचुनाव में भी भाजपा को हराने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव लगातार कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं।

17 सितंबर को राज्य मुख्यालय लखनऊ में कार्यकर्ताओं की बैठक में सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा सरकार PDA को उत्पीड़न का शिकार बना रही है। कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसान, नौजवान और पिछड़े, दलितों की खुशहाली भाजपा को सत्ता से बेदखल कर समाजवादी सरकार बनने पर ही आएगी। इसलिए एक-एक कार्यकर्ता को संकल्पित होकर उपचुनावों में कामयाबी के साथ ही वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए दिनरात एक करना होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने जा रही है। जनता का भरोसा समाजवादी पार्टी पर है। उन्होंने कहा कि समाजवादी कार्यकर्ता भाजपाइयों की हर साजिश और षड़यंत्र का मुकाबला करने के लिए चाकचौबंद तैयारी में हैं।

श्री यादव ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि संविधान को बचाने की लड़ाई में कोई ढील नहीं होनी चाहिए।

21 सितंबर को कार्यकर्ताओं की बैठक में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि PDA बड़ी लड़ाई लड़ने जा रहा है। आने वाले चुनाव में भी PDA ही एनडीए को हराएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा विधानसभा उपचुनाव में सभी सीटें हारेगी। इसके बाद 2027 का विधानसभा का चुनाव भी हारेगी।

उपचुनाव की तैयारियों के सिलसिले श्री अखिलेश यादव ने युवा संगठनों समाजवादी युवजन सभा, समाजवादी लोहिया वाहिनी, समाजवादी छात्र सभा तथा मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारियों के साथ 14 अक्टूबर को राज्य मुख्यालय पर बैठक की। बैठक में नौजवानों ने ध्वनि मत से संकल्प लिया कि समाजवादी सरकार बनाने में अब कोई चूक नहीं करनी है। उनका कहना था कि भाजपा सरकार में युवाओं की समस्याओं का कोई समाधान संभव नहीं। समाजवादी सरकार में ही प्रदेश में प्रगति और खुशहाली आएगी।

करहल में भाजपा बुरी तरह हारेगी

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने 23 सितंबर को करहल विधानसभा क्षेत्र में संविधान बचाओ जन जागरण साइकिल यात्रा के समापन अवसर पर व संविधान बचाओ रैली में शामिल होकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया।

करहल में आयोजित इस कार्यक्रम में पुष्प वर्षा व आतिशबाजी कर श्रीमती डिंपल यादव का भव्य स्वागत किया गया। सांसद श्रीमती डिंपल यादव इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं।

उल्लेखनीय है कि मैनपुरी संसदीय सीट के अंतर्गत आने वाली करहल विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव होना है क्योंकि सपा मुखिया श्री अखिलेश यादव के कन्नौज का सांसद निर्वाचित होने के बाद उन्होंने अपनीविधानसभा सीट करहल से इस्तीफा दिया। लिहाजा करहल विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव होना है।

डिंपल जी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि लोकसभा चुनाव की तरह ही उपचुनाव व आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारी शिकस्त देनी है और

इसके लिए PDA का और विस्तार व मजबूत करना होगा।

उन्होंने कहा कि जनता के हितों और अधिकारों के लिए भाजपा को सत्ता से बेदखल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा करहल में हो रहे उपचुनाव को लेकर जनता में समाजवादी पार्टी के प्रति दिखे जबरदस्त उत्साह से पूरे उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार का स्पष्ट संदेश गया है।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद एवं करहल उपचुनाव में सपा प्रत्याशी श्री तेज प्रताप यादव, सांसद इटावा जितेंद्र दोहरे, समाजवादी बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती, करहल विधानसभा उपचुनाव प्रभारी चंद्रदेव राम करेली, विधायक हसन रूबी, समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष आलोक कुमार शाक्य आदि के अलावा जिले के सभी विधायकों एवं पूर्व विधायकों, जिला कमेटी, विधानसभा करहल कमेटी, सभी फ्रंटल संगठन के पदाधिकारियों का किशनी विधायक इंजीनियर बृजेश कठेरिया, सत्यम कठेरिया, विधायक किशनी की पत्नी श्रीमती नीता कठेरिया ने जोरदार स्वागत किया।

भाजपा की कन्नौज से दुश्मनी

-अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 20 सितंबर को कन्नौज में कार्यकर्ताओं संग आत्मीय संवाद किया। उनके साथ हंसी-ठिठोली की और कन्नौज के विकास के लिए तत्पर रहने का अपना संकल्प दोहराया।उन्होंने यह कहकर कार्यकर्ताओं का दिल जीत लिया कि अब एक टीनशेड बनवाकर उसमें बैठा जाएगा और आराम से बैठकर बातें की जाएंगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के आत्मीय व्यवहार से कार्यकर्ता गदगदहो गए। कार्यकताओं के बीच कन्नौज के ठप पड़े विकास पर श्री अखिलेश यादव ने चिंता जताते हुए कहा कि कन्नौज से भाजपा की दुश्मनी है इसलिए उसने सभी विकास कार्यों को ठप कर दिया है। बेतहाशा बिजली कटौती की जा रही है। कन्नौज की छिबरामऊ तहसील में एक कार्यक्रम में शिरकत के दौरान श्री अखिलेश यादव ने कन्नौज के विकास पर बातें कीं। श्री अखिलेश यादव से मुलाकात के लिए कार्यकर्ताओं में होड़ लग गई तो उन्होंने सभी से आत्मीयता के साथ भेंट कीऔर कार्यकर्ताओं संग फोटो खिंचवाई।

कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कन्नौज में बिजली आती नहीं और बिल ज्यादा आता है। हर जगह भ्रष्ट्राचार का बोलबाला है। थानों और तहसीलों का बुरा हाल है। पुलिस वाले भी अब लूटने लगे हैं। तहसीलों से पट्टे के कागजात चोरी हुए जा रहे हैं। लोगों को उनका अधिकार नहीं मिल पा रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार का हर दिन कम हो रहा है इसीलिए भाजपा के लोग गलत भाषा का इस्तेमाल करने लगे हैं। आने वाले 6 महीनों के भीतर ये और गंदी और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने लगेंगे। उन्होंने कहा कि ये सभी कुंठित हो गए हैं और जनता का सामना करने की हिम्मत नहीं बची है इसलिए इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा के निशाने पर सिर्फ यादव और मुसलमान हैं। ये दोनों ही उन्हें चुभ रहे हैं इसीलिए उनपर हमले किए जा रहे हैं। फर्जी एफआईआर दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस भाजपा के इशारे पर काम कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वन पेंशन-वन इलेक्शन बहुत बड़ी साजिश है। भाजपा चुनाव आयोग को कमजोर करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सभी को समान अधिकार मिले इसके लिए जातीय जनगणना बेहद जरूरी है मगर भाजपा पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों के अलावा सवर्णों को भी आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी या हक नहीं देना चाहती इसलिए जातीय जनगणना के सवाल पर खामोश है।

श्री अखिलेश यादव ने कन्नौज में कार्यकर्ताओं की कमरे में भीड़ और उन्हें हो रही परेशानी देखते हुए कहा कि यहां कमरे में इत्मीनान से बातें नहीं हो पाती हैं। अब यहां एक टीनशेड बनवाकर उसमें पंखा लगवाऊंगा ताकि अगली बार जब यहां आना हो तो वहीं बैठकर खूब बातें की जाएंगी। श्री यादव ने कार्यकर्ताओं से उनका व परिवार का हालचाल भी पूछा और पीडीए के विस्तार व मजबूती पर भी बातें की। उन्होंने कन्नौज के लोगों की जरूरतों को भी जाना समझा ताकि उसकी अनुसार विकास का खाका तैयार किया जा सके।

श्री यादव ने कन्नौज के लोगों के बीच कई सवाल किए। उन्होंने पूछा कि किसानों की डीएपी कहां चली गई? कर्ज माफी के वायदे का क्या हुआ? किसानों की आमदनी दोगुनी करना और छुट्टा पशुओं से निजात? एक भी वायदा पूरा हुआ क्या? कार्यकर्ताओं ने जवाब दिया कि एक भी वायदा पूरा नहीं हुआ है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वह कन्नौज के विकास के लिए तत्पर हैं और यहां सभी सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं पर भाजपा सरकार कन्नौज से दुश्मनी निभा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नकारात्मक राजनीति की वजह से समाजवादी पार्टी और पीडीए यूपी की 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा को हराने का काम करेगी।

भेड़िए से पीड़ित ग्रामीणों को मिला अखिलेश का साथ

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बहराइच में भेड़ियों के हमलों में जान गंवाने वालोंके परिवारों के साथ मजबूती से खड़े होकर उनका दु:ख-दर्द साझा किया। शोक संतप्त परिवारीजनों को सांत्वना देते हुए उनकी आर्थिक मदद भी की। श्री अखिलेश यादव की आत्मीयता से शोक संतप्त परिवारीजनों को काफी ढ़ांढस बंधा।

गौरतलब है कि पिछले दिनों प्रदेश के बहराइच जनपद के महसी क्षेत्र में भेड़ियों के हमलों से 10 जानें गईं थीं और कई जख्मी हुए। जान गंवाने वाले लोगों के सात शोक संतप्त परिवारीजनों से 19 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में श्री अखिलेश यादव ने आत्मीय मुलाकात की।

श्री अखिलेश यादव ने उनसे घटना के बारे में जाना और दु:ख की घड़ी में साथ होने का एहसास कराया। श्री अखिलेश यादव ने मृतकों के परिवारीजनों को 50-50 हजार

रूपये की आर्थिक सहायता दी जबकि घायलों को बेहतर इलाज के लिए 25-25 हजार रूपये की मदद दी। श्री यादव को बताया गया कि मृतकों में सायरा पुत्नी साकिम उल्ला और छोटू पुत्न शकील को शासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली उन्हें पीड़ित भी नहीं माना जा रहा है।

दु:खी लोगों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना देने के बाद श्री अखिलेश यादव ने पत्नकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जबसे भाजपा की सरकार बनी है तबसे प्रदेश में जानवरों का आतंक बढ़ा है। भाजपा सरकार ने वायदे तो कई बार किए और दावा किया इसका रोडमैप भी तैयार है परन्तु छुट्टा पशुओं और इंसानी आबादी में आ जा रहे वन्य जीवों से बचाव में कुछ नहीं हुआ। उन्होंने सवाल किया कि इस काम के लिए दिया गया अरबों के फंड का क्या हुआ? श्री अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहां कि भाजपा सरकार अगर भेड़िये को पकड़ नहीं पा रही है तो ठोको नीति के तहत यह जिम्मेदारी एसटीएफ को सौंप देनी चाहिए। सपा मुखिया ने कहा कि जिन्होंने वायदे किए उनकी भी जवाबदेही होनी चाहिए और वायदाखिलाफी पर सवाल भी उठने चाहिए। श्री यादव ने कहा कि जंगली जानवरों के आतंक से लोग बहुत डरे हुए हैं। बिजनौर, पीलीभीत, सीतापुर, लखीमपुर, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर में जानवरों ने जंगलों से निकलकर लोगों पर हमला किया है। बहराइच में 10 मृतक और लगभग 60 लोग घायल हैं। अस्पतालों में 45 लोगों के इलाज की सूचना है।

मृतक के आश्रितों और घायलों को मदद देने में भी जाति-धर्म देखकर पक्षपात और भेदभाव किया जा रहा है। 2 परिवारों को जो एक विशेष समुदाय के हैं कोई मदद नहीं मिली। सरकार की ओर से कहा गया कि भेड़ियों से हमले के शिकार उनके बच्चों के शव नहीं मिले। कम से कम गरीबों के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की मांग है कि जिन बच्चों की जान गई है, उनके परिवार को 10 लाख रुपये की मदद की जाए। घायलों को एक लाख रुपये की मदद और पूरे इलाज का खर्च सरकार को उठाना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में जंगलों की अवैध कटाई की वजह से जानवर बस्तियों में आ जाते हैं। इस समस्या के समाधान में बुलडोजरी सोच से बचना होगा। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार कभी ड्रोन उड़ाती है, कभी मुख्यमंत्री जी गोद में बच्चा लिए यह जताने के लिए फोटों खिंचाते हैं कि बच्चे सुरक्षित हैं और मदद कर दी गई है। हकीकत उल्टी है, सरकार हर बात छुपाना चाहती है।

चौधरी चरण सिंह की विचार परंपरा के वाहक अखिलेश

फाइल फोटो

राजेन्द्र चौधरी

मैंने हाल में अपनी उत्तराखंड यात्रा के क्रम में पवित्र जीवनदायिनी गंगा तट स्थित ऋषिकेश के मुनि की रेती वन विभाग डाक बंगला का भ्रमण किया।

मुनि की रेती स्थित वन विश्राम भवन का निर्माण तत्कालीन वन मंत्री श्री चौधरी चरण सिंह जी ने 1964-66 में कराया था। चौधरी साहब ने अपने कई पुस्तकों का लेखन अंग्रेजी में यहीं किया था। भारतीय अर्थनीति, किसानों और समाज व्यवस्था से जुड़े मुद्दे सहित सरकार की नीतियों के लिए अनेक महत्वपूर्ण दस्तावेजों के कार्य का यह रेस्ट हॉउस गवाह है।

स्मरण रहे कि 1974 के विधानसभा चुनाव में श्री चौधरी चरण सिंह ने ही मुझेभारतीय क्रांति दल के सिम्बल पर गाजियाबाद से पहला चुनाव लड़ाया था। साथ ही मेरे लिए चुनाव सभा को संबोधित भी किया था।

मैं पिछले पांच दशकों के उत्तराखंड, ऋषिकेश, मुनि की रेती में विचार परंपरा की धारा के साथ जुड़ा हुआ हूं। महान नेता चौधरी चरण सिंह से जुड़े अनेक संस्मरणों

को याद करते हुए मैंनेअनेक दुर्लभ प्रसंगों को संजोकर रखा है।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के विचार परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पूरी प्रतिबद्धता से सक्रिय हैं। तत्कालीन केन्द्रीय गृह मंत्री चौधरी साहब को पिछड़े वर्गों के आरक्षण के लिए मंडल कमीशन के गठन का श्रेय जाता है। मंडल कमीशन की सिफारिशों को लागू कराने की दिशा में पद्म विभूषण नेताजी मुलायम सिंह यादव कई वर्षों तक आंदोलन करते हुए जेल गए। उन आंदोलनों में मैं नेताजी का सहयोगी रहा हूं। नेताजी एवं अन्य नेताओं के लम्बे संघर्षो के बाद मंडल कमीशन लागू हुआ और पिछड़ों को संवैधानिक अधिकार के रूप में 27 प्रतिशत आरक्षण मिला।

पिछड़ों सहित समाज के सभी उपेक्षित एवं अधिकार विहीन वर्गों को सम्मान और हिस्सेदारी दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पीडीए अवधारणा से जनता को परिचित कराया। हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को यूपी से 43 सीट पर जीत दिलाने में श्री अखिलेश यादव की ही महत्वपूर्ण भूमिका है जिसमें समाजवादी पार्टी को 37 सीटों पर जीत मिली। जिससे समाजवादी पार्टी देश की तीसरी सबसे बड़ी राजनैतिक दल बन गई।

अवसरों एवं अधिकारों से वंचित समाज को स्वर देने में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का बड़ा योगदान रहा है। सामाजिक न्याय की उसी अवधारणा का अनुपालन करते हुए श्री अखिलेश यादव उन समूहों को राजनैतिक प्रतिनिधित्व देने की दिशा में ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं।

पिछड़ों सहित समाज के सभी उपेक्षित एवं अधिकार विहीन वर्गों को सम्मान और हिस्सेदारी दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पीडीए अवधारणा से जनता को परिचित कराया

उत्तराखंड में श्री अखिलेश यादव की विकासवादी कार्यशैली एवं शालीन व्यक्तित्व का असर आमजन की चर्चा में पहुँच चुका है। लोगों से बातचीत के क्रम में कई जगह राष्ट्रीय राजनीति में विकल्प के रूप में लोग उनकी चर्चा करते मिले एवं बेहतर राजनैतिक सम्भावना की बात कही।

किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह जी के व्यक्तित्व पर गांधी दर्शन का बड़ा प्रभाव था। वे आजीवन कुर्ता धोती और गांधी टोपी पहनते थे। सत्य और अहिंसा का उन्होंने अपने जीवन में कठोरता से पालन किया।

चौधरी साहब ने गांधी विचार के आधार पर सादगीपूर्ण जीवन शैली को अगली पीढ़ी के लिए प्रस्तुत किया। जो आज भी हमारे लिए आदर्श है।

गांधी जी के राम राज्य के सपनों को साकार करने का श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी गांधी जयंती के अवसर पर अपना संकल्प दोहराती है।

(लेखक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हैं)

अखिलेश ने किया
साझी संस्कृति का सम्मान

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने हिन्दी दिवस पर 14 सितंबर को वरिष्ठ साहित्यकारों, लेखकों एवं समाजसेवियों का अभिनंदन करते हुए शाल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया।

समाजवादी पार्टी के लखनऊ स्थित प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित समारोह में श्री अखिलेश यादव द्वारा सम्मानित होने वालों में सर्वश्री उदय प्रताप सिंह, प्रो अब्दुल बिस्मिल्लाह, वीरेन्द्र यादव, सूर्य कुमार पांडेय, प्रमोद त्यागी, दीपक कबीर, प्रो रमेश दीक्षित, वंदना मिश्रा, हिमांशु शर्मा, नीरज यादव, संजीव जायसवाल, कादिर राणा, अर्चना दीक्षित, राकेश कुमार, मुकेश दर्पण, आयुष यादव, मणेन्द्र मिश्रा, संजीव यादव, संदीप यादव, जयशंकर पांडेय आदि प्रमुख रहे।

समारोह में हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार प्रो अब्दुल बिस्मिल्लाह ने कहा कि यह सम्मान

साझी संस्कृति के लिए है इसलिए विशिष्ट है। उन्होंने कहा कि भाषाई साम्प्रायिकता के खिलाफ भी लड़ाई होनी चाहिए। हिन्दी-उर्दू को हिन्दू-मुस्लिम की भाषा बताकर अंग्रेजों ने भ्रम फैलाया और बाद में उससे रोटियां सिंकने लगी हैं। उन्होंने कहा हिंदी उर्दू में कोई भेद नहीं है।

पूर्व सांसद एवं प्रसिद्ध कवि श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि अंग्रेजों ने जो भाषाई साम्प्रदायिकता पैदा की थी वह आज भी चल रही है। हिन्दी, उर्दू मिलाकर हिन्दुस्तानी बनाने का समर्थन गांधीजी, मौलाना आजाद ने भी किया था। दुनिया की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में हिन्दी भी है।

साहित्यकार व प्रसिद्ध आलोचक श्री वीरेन्द्र यादव ने कहा कि समाजवादी आंदोलन और हिन्दी का गहरा रिश्ता रहा है। डॉ राममनोहर लोहिया ने आजाद भारत में अंग्रेजी के वर्चस्व को हटाने के लिए आंदोलन शुरू किया था। अंग्रेजी की गुलामी आज भी नहीं गई है। उन्होंने कहा कि श्री अखिलेश यादव ने PDA का जो नारा दिया है वह डॉ राममनोहर लोहिया की वैचारिकी से जुड़ता है। इसलिए दर्शन में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर भी शामिल है इससे वैकल्पिक राजनीति का रास्ता प्रशस्त होगा।

समारोह में श्री अखिलेश यादव ने श्री प्रमोद त्यागी की पुस्तक 'शापित महायोद्धा कर्ण' का विमोचन भी किया। श्री प्रमोद त्यागी मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ अधिवक्ता, सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता के साथ लेखन क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। श्री गुनवीर राणा ने अपना गीत संग्रह 'आंसुओं की सभा' श्री यादव को भेंट की। कार्यक्रम में सर्वश्री राजेन्द्र चौधरी पूर्व कैबिनेट मंत्री, श्याम लाल पाल प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदीप यादव विधायक समेत अन्य प्रमुख लोग शामिल रहे।

बेटियों की खेल प्रतिभा का अखिलेश ने बढ़ाया हौसला

बुलेटिन ब्यूरो

ओलंपिक में खेलने का सपना लेकर दिनरात मेहनत कर रहीं वाराणसी की दो बेटियों शिवांगी यादव व आयुषी यादव के हौसलों को उस वक्त पंख लग गए जब गोल्ड मेडल जीतने के साथ ही उन्हें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से शाबाशी भी मिल गई।

श्री अखिलेश यादव की ओर से नकद इनाम ने भी इन बच्चियों का हौसला बढ़ाया। यूपी जूनियर एथलेटिक्स में गोल्ड पाने के बाद इन दोनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आशीष देते हुए श्री अखिलेश यादव ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

18 सितंबर को लखनऊ स्थित सपा के राज्य मुख्यालय में श्री अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद प्रफुल्लित दोनों खिलाड़ियों का कहना है कि उनके हौसलों को पंख लग गए हैं। शिवांगी यादव ने *समाजवादी बुलेटिन* से बात करते हुए कहा कि श्री अखिलेश यादव के आशीर्वाद और सहयोग के बाद अब ओलंपिक खेलने के सपने को पूरा करने के लिए वह एड़ी-चोटी का जोर लगा देगी क्योंकि अब उसके हौसले को और ताकत मिल गई है।

लखनऊ में 14 से 18 सितंबर के बीच 58वीं उत्तर प्रदेश वार्षिक जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरहुआ ब्लॉक के बेदी पुआरी कला गांव की शिवांगी यादव ने 600 मीटर रेस में गोल्ड मेडल हासिल किया जबकि चौबेपुर के सोनई बर्थरा की आयुषी यादव ने ऊंची कूद में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। ये दोनों ही बेटियां लालपुर स्थित क्रीड़ा संकुल में कोच चंद्रभान यादव उर्फ मंटू के निर्देशन में अभ्यास करती हैं।

शिवांगी यादव पुआरी कला में स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कक्षा आठ की छात्रा है जबकि आयुषी यादव श्री सुभाष इंटर कालेज चौबेपुर की दसवीं की विद्यार्थी है।

शिवांगी के पिता महेश यादव प्रतिदिन सुबह शाम गांव से 15 किलोमीटर दूर स्टेडियम ले जाकर बेटी को प्रैक्टिस कराते हैं। उनका सपना है कि वह बेटी को देश के लिए खेलता हुआ देखें।

बेटी शिवांगी चाहती है कि वह भारत की ओर से ओलंपिक में खेले और देश का नाम रौशन करे। आयुषी के पिता नरेंद्र नारायण यादव भी बेटी को ओलंपिक में खेलने के लिए तैयार करा रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि शिवांगी का भाई अमन यादव भी सैफई स्पोर्ट्स कालेज में रहकर 200 से 400 मीटर रेस की तैयारी में जुटा है। महेश यादव कहते हैं कि जिस दिन से शिवांगी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का आशीर्वाद मिला है, उसका उत्साह बढ़ा हुआ है और वह अब और मेहनत से प्रैक्टिस में जुटी हुई है।

वह बताते हैं कि आयुषी भी उसके बाद से दोगुनी मेहनत कर रही है। दोनों की मेहनत और लगन देखने और बड़ों का आशीर्वाद मिलने के बाद अब विश्वास हो गया है कि एक दिन दोनों बेटियों का सपना जरूर साकार होगा।

दरअसल 18 सितंबर को जब शिवांगी और आयुषी ने लखनऊ में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। श्री अखिलेश यादव ने दोनों प्रतिभाशाली बेटियों की उपलब्धि की जानकारी होने पर उन्हें मुलाकात के लिए आमंत्रित किया था। मुलाकात के दौरान श्री यादव ने सबसे पहले दोनों बेटियों को गोल्ड मेडल जीतने पर खूब शाबाशी दी। आशीष दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेधावी आरती को अखिलेश ने दिया लैपटॉप

बुलेटिन ब्यूरो

सीबीएसई-2024 की 12वीं परीक्षा में 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा आरती यादव को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लैपटॉप देकर उत्साहवर्धन किया। उन्होंने आरती को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर 11 सिंतबर को श्री अखिलेश यादव के हाथों लैपटॉप पाकर आरती की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। श्री अखिलेश यादव ने आरती को खूब पढ़ने और आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। आरती के पिता लालू सिंह यादव भी इस मौके पर मौजूद रहे और सम्मान मिलने पर उन्हें बेटी पर गर्व हुआ।

सुश्री आरती यादव रानी लक्ष्मी बाई मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, इंदिरा नगर लखनऊ में कॉमर्स की छात्रा रही है। आरती यादव ने अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, बिजनेस स्टडीज एजुकेशन और अकाउंटिंग में 100 में 98 और आईपी में 100 में 99 अंक हासिल किये हैं।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, समाजवादी युवजन सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास यादव के अलावा संग्राम सिंह व महातिम सिंह यादव भी मौजूद रहे।

लोहिया और कांशीराम को समाजवादियों ने याद किया

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी ने दलितों , वंचितों औरशोषितों के हक में आवाज उठाने एवंएक समावेशी समतामूलक समाज बनाने के लिए आजीवन संघर्ष करने वाली दो महान शख्सियतों मान्यवर कांशीराम एवं डॉ राम मनोहर लोहिया को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

महान समाजवादी चिंतक डॉ राममनोहर लोहिया की 57वीं पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी ने 12 अक्टूबर को पूरे उत्तर प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर डा लोहिया को श्रद्धांजलि देते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम लोहिया के सपनों का समाजवादी भारत बनाने का सपना पूरा करने का संकल्प लेते हैं।

लखनऊ के गोमतीनगर स्थित डॉ राम मनोहर लोहिया पार्क में श्री अखिलेश यादव ने लोहिया जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और वहां मौजूद हजारों समाजवादी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ राममनोहर लोहिया ने देश में हर तरह से भेदभाव के खात्मे, और जाति तोड़ने का आह्वान किया था।

सपा प्रमुख में कहा कि समाजवादी व्यवस्था से ही गरीबी मिटेगी। पढ़ाई में भेदभाव मिटेगा। डॉ राममनोहर लोहिया की दाम बांधो नीति से ही महंगाई, गरीबी दूर होगी। लोहिया जी ने सप्तक्रांति के माध्यम से समाज में खुशहाली का रास्ता दिखाया था।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की नीतियां विनाशकारी हैं। संविधान से बनी हर चीज को यह उलटना चाहते हैं। यह वह लोग है जो नफरत की राजनीति करते हैं। वे भेदभाव करते हैं। यह वे लोग हैं जो धर्म जातियों को लड़ाकर राजनीति करना चाहते हैं।

उधर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, गोमतीनगर में विधायक रविदास मेहरोत्रा ने डॉ लोहिया की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। प्रदेश के विभिन्न जनपदों और अन्य प्रदेशों में भी समाजवादी पार्टी के कार्यालयों में डॉ राममनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि दी गई।

डॉ राममनोहर लोहिया की प्रतिमा पर राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, पूर्व नेता विरोधी दल श्री रामगोविन्द चौधरी, सांसद आरके चौधरी एवं विधायक श्री रविदास मेहरोत्रा ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

इससे पहले 9 अक्टूबर को बहुजन समाज के मसीहा मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय सहित प्रदेश के सभी जिलों में उन्हें शिद्दत से याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में मान्यवर कांशीराम जी के चित्र पर राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल तथा विधान परिषद में प्रतिपक्ष के नेता श्री लाल बिहारी यादव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से माल्यार्पण किया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने अपने संदेश में दलितों, शोषितों एवं वंचितों के नेता मान्यवर कांशीराम जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें शत-शत नमन करते हुए कहा कि मान्यवर कांशीराम जी ने बहुजनों को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने में बड़ी भूमिका अदा की। बामसेफ से उन्होंने सरकारी कर्मचारियों के बीच अपनी पैठ बनाई।

लखनऊ के विश्वेश्वरैया हाल में मान्यवर कांशीराम जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, सांसद आरके चौधरी, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव तथा अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कन्हैया पाल आदि ने श्रद्धासुमन भेंट किए।

समाजवादी पार्टी लखनऊ महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी ने पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं संग कांशीराम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

बापू और शास्त्री जी के विचार आज भी प्रासंगिक

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर समाजवादी पार्टी ने 2 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के सभी जिलों पर कार्यक्रम आयोजित कर महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने दोनों महापुरुषों को नमन करते हुए कहा कि दोनों के विचार आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। महात्मा गांधी के विचारों पर अमल करके ही दुनिया में शांति व सद्भाव आ सकता है।

जयंती पर समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने गांधी जी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गांधीजी और शास्त्री जी की जयंती पर सत्य, संघर्ष, सेवा और सादगी के महान प्रतीकों को नवसंकल्प के साथ याद करते हुए अपने संदेश में कहा कि गांधीजी ने सत्याग्रह के रास्ते देश की आजादी की लड़ाई जीती और ब्रिटिश साम्राज्य की चूलें हिला दीं।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

कुछ 'लोग' दुनिया में आकर ऐसा कुछ कर जाते हैं
जो जाते-जाते दुनिया को एक नया मोड़ दे जाते हैं

'नेता जी' की पुण्यतिथि पर नव संकल्पों का नव नमन!

हम सब नेताजी के समाजवादी सिद्धांतों और मूल्यों के प्रवर्तक बनेंगे; हम सब उनकी दिखाई राह पर चलेंगे; हर शोषित, वंचित, उपेक्षित के लिए एकजुटता का आधार बनेंगे, हम ही उनकी आवाज़ बनेंगे!

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'देशप्रेमी' हुए एकमत
नयी शपथ, नया पथ

ये 'इंडिया' की जीत है।

अब जम्मू-कश्मीर सियासत से नहीं जज़्बात से चलेगा, जुड़ेगा और आगे बढ़ेगा, बढ़ता ही रहेगा।

#एकता_ही_इंडिया_है
#देश_जिंदाबाद_जनता_जिंदाबाद

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सच्चे दंगल में ही होते हैं सच्चे पहलवान
बाकी तो बस ख़ुद को कहलाते हैं महान

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

करता देश के हित की बात
लोहिया जी का समाजवाद

स्वतंत्रता सेनानी डॉ. राम मनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि पर नये संकल्पों से भरा नव संकल्पित नमन!

Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · Oct 19

महाराष्ट्र की जनता भाजपा की राजनीतिक धांधेबाज़ी और खोखेबाज़ी दोनों का करारा जवाब देगी।

@ धुले

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हिमगिरि की ऊंची चोटी, से यदि नीचे देखें
बड़े बड़े आकार की चीजें छोटी लगती हैं
उसी तरह ऊंची कुर्सी पर बैठे लोगों को
जनता भी अपनी शतरंज की गोटी लगती हैं

— श्री उदय प्रताप सिंह जी

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · Oct 17

महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती पर सबको सौहार्दपूर्ण शुभकामनाएँ और बधाई।

सच्ची रामायण की यही प्रेरणा है कि शासन-प्रशासन ऐसा हो कि सब बिना भय और भेदभाव के रहें और सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 4d

किसी भी देश की मुद्रा का पतन, अर्थव्यवस्था के पतन का प्रतीक होता है। भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था की बदहाली के ऊपर झूठे आँकड़ों की कितनी भी मोटी परत बिछा दे लेकिन दुनिया के सामने सच खुल ही जाता है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 4d

भाजपा की हवा हवाई बातें '5' ट्रिलियन की और दुनिया के भूख के सूचकांक में देश का स्थान '105' वां।

और कुछ नहीं कहना है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

फ़ोटो खिंचवाने से अगर समस्या हल हो रही है तो किसी फ़ोटोग्राफ़र को ही मंत्री बनवा दीजिए।

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 09 Oct

माननीय कांशीराम जी के परिनिर्वाण दिवस पर कोटि-कोटि नमन!

आपके सिद्धांत और संकल्प का आंदोलन हम हमेशा जारी रखेंगे।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

एकता ही 'इंडिया' है!

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

लिखने जा रहा नयी तक़दीर है, ये कश्मीर है!

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जिन्होंने सिखाया कैसे उसूलों के साथ कारोबार किया जाता है, अपने लाभ को कल्याण के लिए लगाया जाता है, ऐसे महान रतन टाटा जी का जाना इतिहास के एक पन्ने का पलट जाना है।

भावभीनी श्रद्धांजलि!

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

चुनाव का आना और साम्प्रदायिक माहौल का बिगड़ जाना, ये इत्तफ़ाक़ नहीं है। जनता सब समझ रही है। हार के डर से हिंसा का सहारा लेना किसकी पुरानी रणनीति है, सब जानते हैं। ये उप चुनाव की दस्तक है।

दिखावटी क़ानून-व्यवस्था की जगह अगर सरकार सच में पुख़्ता इंतज़ाम करे तो सब सही हो जाएगा लेकिन ऐसा होगा तब ही जब ये सरकार चाहेगी।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

ये सीख दे गया बीता कल
न चले हमेशा छल का बल
अंत में होगी सत्य की जीत
यही है 'भारतवर्ष' की रीत!

विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं अनंत बधाई!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Congratulations to Shri Udhayanidhi Stalin on his appointment as the Deputy Chief Minister of Tamil Nadu. Wishing him great success in this new role.

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 20h

भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक, भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी को उनकी जंयती पर शत-शत नमन।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

कम-से-कम आस्था को तो मुनाफ़ाख़ोरी व महँगाई के चंगुल से मुक्त कराए, भाजपा सरकार।

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जिसने जंग टाली है, समझो उसने जंग हारी है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

@ बाराबंकी

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

अंतिम वक़्त में तानाशाह

तानाशाह जब
बहुत डर जाता है
तो ज़ोर से हँसने का
अभिनय करता है
और जैसे-जैसे बढ़ता जाता है उसका डर
हवा में गूँजने लगती है उसकी हँसी
वह भीतर ही भीतर महसूस करता
अपने अंत होते समय को
फिर भी
वह नकली हँसी से देता है
ख़ुद को तसल्ली
भय के कारण
वह इतना ज़ोर से हँसता है
कि घुटने लगता है उसका दम
टूटने लगता है उसका घमंड
उसे शायद
अहसास होता है उस वक़्त
अपने अपराधों का

वह चाहता है कि कोई समझे उसे
कि उसे हो रहा है अहसास
अपने अपराधों का
घुटती साँसों के साथ
पर शर्म के कारण
वह कह नहीं पाता यह बात खुलकर
और एक बार फिर से
उसके भीतर का तानाशाह
कहता है उससे
कि अंतिम साँस के साथ
अपने अपराधों को स्वीकार करना भी
मूर्खता है।

यह सोच कर
तानाशाह
फिर से हँसने की
अंतिम कोशिश करता है
और फिर लंबी ख़ामोशी!!

- नित्यानंद गायेन
(साभार: हिन्दवी)

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party
समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in